भारत सरकार
संचार मंत्रालय
डाक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 545
उत्तर देने की तारीख 06 दिसम्बर, 2023

डाकघरों का स्तरोन्नयन

545. श्री धनुष एम. कुमार :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने डाकघर के आधुनिकीकरण/स्तरोन्नयन के अपने उद्देश्य को प्राप्त किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) विशेषकर तमिलनाडु के ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में डाकघरों के धीमे आधुनिकीकरण/स्तरोन्नयन के क्या कारण हैं;

(ग) आधुनिकीकरण प्रक्रिया के अंतर्गत डाकघरों को सौंपे गए कार्यकलापों का नया दायरा क्या है; और

(घ) चालू वर्ष के दौरान तमिलनाडु राज्य में आधुनिकीकरण परियोजना में कुल कितना निवेश किया गया है?

उत्तर
संचार राज्य मंत्री
(श्री देवुसिंह चौहान)

(क) जी, हां। सरकार ने डाकघरों के आधुनिकीकरण/स्तरोन्नयन का अपना लक्ष्य काफी हद तक पूरा कर लिया है। आईटी आधुनिकीकरण परियोजना के तहत देशभर के सभी 25,070 विभागीय डाकघरों को कम्प्यूटरीकृत किया गया है। विभाग ने देशभर के 1,36,778 शाखा डाकघरों को सिम आधारित कनेक्टिविटी वाले मोबाइल डिवाइस प्रदान कर आधुनिकीकृत किया है ताकि डाक, वित्तीय एवं बीमा संबंधी लेन-देन कार्य ऑनलाइन रूप से किए जा सकें। प्रौद्योगिकी संबंधी परियोजनाओं को जारी रखने के उद्देश्य से

सरकार ने फरवरी, 2022 में 5785 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय के साथ आठ वर्ष की अवधि के लिए 'डाक विभाग सूचना प्रौद्योगिकी आधुनिकीकरण परियोजना 2.0' को अनुमोदन प्रदान किया है।

(ख) डाकघरों के आधुनिकीकरण/स्तरोन्नयन कार्य की गति धीमी नहीं रही है। तमिलनाडु डाक सर्कल में, सभी 2564 विभागीय डाकघरों को कम्प्यूटरीकृत कर दिया गया है और 9275 शाखा डाकघरों को सिम आधारित कनेक्टिविटी वाले नए मोबाइल डिवाइस प्रदान किए गए हैं।

(ग) आधुनिकीकरण प्रक्रिया के अंतर्गत डाकघरों को सौंपे गए नए कार्यकलापों का विवरण निम्नानुसार है :-

(i) **कोर बैंकिंग सेवाएं :-** यह सेवा, ग्राहकों को देशभर में किसी भी डाकघर से अपने डाकघर बचत बैंक (पीओएसबी) खाते में लेन-देन करने की सुविधा प्रदान करती है। इसके अलावा, देशभर में 1000 ऑटोमेटेड टेलर मशीनें (एटीएम) लगाई गई हैं। ये मशीनें अंतरप्रचालनीय (इंटरऑपरेबल) हैं।

(ii) **डाक जीवन बीमा (पीएलआई) :-** यह सेवा, 'कोर बीमा समाधान (सीआईएस) के माध्यम से प्रदान की जा रही है। इसके माध्यम से ग्राहक किसी भी डाकघर में प्रीमियम का भुगतान कर सकते हैं।

(iii) **कोर सिस्टम इंटीग्रेटर (सीएसआई) :-** यह परियोजना, मेल प्रचालन, रिटेल उत्पादों, लॉजिस्टिक्स और मानव संसाधनों हेतु समाधान प्रदान करने के लिए लागू की गई है।

(iv) **दर्पण (नए भारत के लिए ग्रामीण डाकघरों का डिजिटल उन्नयन) :-** ग्रामीण क्षेत्रों के ग्राहक, दर्पण स्मार्टफोन डिवाइस के माध्यम से पंजीकृत और स्पीड पोस्ट डाक-वस्तुओं की बुकिंग, मनीऑर्डरों की बुकिंग, डाकघर बचत बैंक लेन-देन कार्य, डाक जीवन बीमा (पीएलआई)/ग्रामीण डाक जीवन बीमा (आरपीएलआई) के प्रीमियम का भुगतान और पीएलआई/आरपीएलआई परिपक्वता दावों की इंडेक्सिंग की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

(v) **जीवन प्रमाण - डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र :-** यह, पेंशनधारकों के लिए एक बायोमेट्रिक समर्थित डिजिटल सेवा है, जिसकी मदद से वे देशभर के सभी प्रधान डाकघरों में स्थित किसी भी जीवन प्रमाण केंद्र में अपना जीवन प्रमाण-पत्र डिजिटल रूप में जमा करा सकते हैं।

(घ) आईटी आधुनिकीकरण परियोजना के अंतर्गत, चालू वर्ष के दौरान कुल 445.41 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। इस परियोजना को पूरे भारत में केंद्रीय रूप से लागू किया गया है। अत: राज्य/संघ राज्य-क्षेत्रवार व्यय लागू नहीं होता।

*****